

[Type here]

UG-9110-Three/Four Year Bachelor of Arts (Public Administration)								
		Public Administration						
S.No.	Level	Semester	Type	Title	L	T	P	Total
1	5	I	MJR	UG-9110-PAD-53T-103- Foundations of Public Administration	6	0	0	6
2	5	I	MJR	UG-9110-PAD-54T-104- Introduction to Indian Administration	6	0	0	6
3	5	II	MJR	UG-9110-PAD-55T-105- Politics and Administration	6	0	0	6
4	5	II	MJR	UG-9110-PAD-56T-106- Economic Policy and Administration	6	0	0	6
5	6	III	MJR	UG-9110-PAD-63T-203- Indian Constitution	6	0	0	6
6	6	III	MJR	UG-9110-PAD-64T-204- Social and Development Administration	6	0	0	6
7	6	IV	MJR	UG-9110-PAD-65T-205- Administrative Theory	6	0	0	6
8	6	IV	MJR	UG-9110-PAD-66T-206- State Administration	6	0	0	6
9	7	V	MJR	UG-9110-PAD-73T-303- Governance and Administrative Reforms	6	0	0	6

[Type here]

10	7	V	MJR	UG-9110-PAD-74T-304- Personnel Administration	6	0	0	6
11	7	VI	MJR	UG-9110-PAD-75T-305- Comparative Public Administration	6	0	0	6
12	7	VI	MJR	UG-9110-PAD-76T-306-Local Governance	6	0	0	6

Examination Scheme:

1. 1 credit = 25 marks for examination/evaluation
2. For Regular Students there will be Continuous Assessment (CA), in which sessional work and the terminal examination will contribute to the final grade. Each course in Semester Grade Point Average (SGPA) has two components- Continuous Assessment (20% weightage) and (End of semester examination) EoSE (80% weightage).
3. For Regular Students, 75% Attendance is mandatory for appearing in the EoSE.
4. To appear in the EoSE examination of a course/subject a regular student must appear in the mid-semester examination and obtain at least C grade in the Course/Subject.
5. Credit points in a Course/Subject will be assigned only if, the regular student obtains at least C grade in the CA and EoSE examination of a Course/Subject.
6. In the case of Non-Collegiate Students there will be no Continuous Assessment and credit points in a Course/Subject will be assigned only if, the non-collegiate student obtains at least C grade in the EoSE examination of a Course/Subject.

Examination Scheme for Continuous Assessment (CA):

Distribution of Continuous Assessment (CA) Marks

Sl.No	CATEGORY	Weightage (Out of total Internal marks)	THEORY					
	Max Internal Marks		CORE (Only Theory)	CORE + (Theory + Practical)	AEC	SEC	VAC	
			30	20	20	10	10	
1	Mid-term Exam	50%	15	10	10	5	5	
2	Assignment	25%	7.5	5	5	2.5	2.5	
3	Attendance	25%	7.5	5	5	2.5	2.5	
		Regular Class Attendance	=75%	3	2	2	1	1
			75- 80%	4	3	3	1.5	1.5
			80- 85%	5	4	4	2	2
			>85%	7.5	5	5	2.5	2.5

Note:

1. Continuous Assessment will be the sole responsibility of the teacher concerned.
2. For Continuous Assessment no remuneration will be paid for paper setting, evaluation, invigilation etc.
3. For Continuous Assessment paper setting and evaluation responsibility will be of teacher concerned.
4. For Continuous Assessment no Answer Sheets/ Question Papers etc. will be provided by the University.
5. Colleges are advised to keep records of Continuous Assessment, attendance etc.

[Type here]

Examination Scheme for EoSE :

CA - Continuous Assessment

EoSE- End of Semester Examination

Regular Students

Type of Examination	Course Code and Nomenclature	Duration of Examination		Maximum Marks		Minimum Marks	
Theory		CA	1:00 Hrs	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3:00 Hrs	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks

(Courses which do not have Practical Examination)

The question paper will consist of three parts A, B & C.

Part -A: 20 Marks

Part A will be compulsory having 10 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two marks each.

Part – B: 20 Marks

Part B of the paper shall consist of 4 questions selecting one question from each unit and the student shall attempt any 2 questions (with a limit of 100 words) that carry 10 marks each.

Part –C: 80 Marks

Part C of the question paper shall be divided into four units comprising question numbers 6-9. There will be one question from each unit with internal choice. Each question will carry 20 marks.

[Type here]

Non- Collegiate Students :

Type of Examination	Course Code and Nomenclature	Duration of Examination	Maximum Marks	Minimum Marks
Theory	PAD-9101	3:00 Hrs	150 Marks	60 Marks

[Courses which do not have Practical Examination]

The question paper consists of three parts A, B and C.

Part –A: 40 Marks

Part A will be compulsory having 20 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two marks each.

Part-B: 30 Marks

Part B of the paper shall consist of 4 questions selecting one question from each unit and the student shall attempt any 2 questions (with a limit of 100 words) that carry 15 marks each.

Part-C: 80 Marks

Part C of the question paper shall be divided into four units comprising question numbers 6-9. There will be one question from each unit with internal choice. Each question will carry 20 marks.

[Type here]

विश्वविद्यालय का नाम	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर,
संकाय का नाम	सामाजिक विज्ञान
विषय का नाम	लोक प्रशासन
विषय का प्रकार	प्रमुख
माइनर विषय के रूप में पेश किये जाने वाले कार्यक्रमों की सूची	-
स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	हाँ

विवरण के साथ सेमेस्टरवार पाठ्यक्रम शीर्षक

[यदि कोई प्रायोगिक विषय नहीं है]

UG- 9101 – तृतीय/चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक								
				लोक प्रशासन	क्रेडिट			
क्रमांक	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	सैधांतिक	ट्यूटोरियल	प्रायोगिक	कुल
1	5	I	प्रमुख	UG-9101-PAD-51T-101- लोक प्रशासन का परिचय	6	0	0	6
2	5	II	प्रमुख	UG-9101-PAD-52T-102- भारतीय सरकार तथा प्रशासन	6	0	0	6
3	6	III	प्रमुख	UG-9101-PAD-61T-201- प्रशासनिक सिद्धांत	6	0	0	6
4	6	IV	प्रमुख	UG-9101-PAD-62T-202- राज्य प्रशासन	6	0	0	6
5	7	V	प्रमुख	UG-9101-PAD-71T-301- तुलनात्मक तथा कार्मिक प्रशासन	6	0	0	6

[Type here]

6	7	VI	प्रमुख	UG-9101-PAD-72T-302-स्थानीय शासन	6	0	0	6
---	---	----	--------	----------------------------------	---	---	---	---

विवरण के साथ सेमेस्टरवार पाठ्यक्रम शीर्षक

[यदि कोई प्रायोगिक विषय नहीं है]

UG-9110- तृतीय/चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक (लोक प्रशासन)								
				लोक प्रशासन	क्रेडिट			
क्रमांक	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	सैधांतिक	ट्यूटोरियल	प्रायोगिक	कुल
1	5	I	प्रमुख	UG-9110-PAD-53T-103-लोक प्रशासन के आधार	6	0	0	6
2	5	I	प्रमुख	UG-9110-PAD-54T-104-भारतीय प्रशासन का परिचय	6	0	0	6
3	5	II	प्रमुख	UG-9110-PAD-55T-105-राजनीति तथा प्रशासन	6	0	0	6
4	5	II	प्रमुख	UG-9110-PAD-56T-106-आर्थिक नीति तथा प्रशासन	6	0	0	6
5	6	III	प्रमुख	UG-9110-PAD-63T-203-भारतीय संविधान	6	0	0	6
6	6	III	प्रमुख	UG-9110-PAD-64T-204-	6	0	0	6

				सामाजिक तथा विकास प्रशासन				
7	6	IV	प्रमुख	UG-9110-PAD- 65T-205- प्रशासनिक सिद्धांत	6	0	0	6
8	6	IV	प्रमुख	UG-9110-PAD- 66T-206-राज्य प्रशासन	6	0	0	6
9	7	V	प्रमुख	UG-9110-PAD- 73T-303-शासन और प्रशासनिक सुधार	6	0	0	6
10	7	V	प्रमुख	UG-9110-PAD- 74T-304- कार्मिक प्रशासन	6	0	0	6
11	7	VI	प्रमुख	UG-9110-PAD- 75T-305- तुलनात्मक लोक प्रशासन	6	0	0	6
12	7	VI	प्रमुख	UG-9110-PAD- 76T-306-स्थानीय शासन	6	0	0	6

परीक्षा योजना

1. 1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन, के लिये 25 अंक।
2. नियमित छात्रों के लिये सतत मूल्यांकन होगा, जिसमें सत्रवार कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (SGPA) में प्रत्येक कोर्स के दो घटक हैं—सतत मूल्यांकन (20% भारिता) और अंतिम सेमेस्टर (परीक्षा के अंत में) EoSE (80% भारिता)
3. नियमित छात्रों को EoSE में उपस्थित होने के लिये 75% उपस्थिति अनिवार्य है।
4. किसी कोर्स/विषय की EoSE परीक्षा में उपस्थित होने के लिये नियमित छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना होगा और कोर्स/विषय में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करना होगा।
5. किसी कोर्स/विषय में क्रेडिट पॉइंट तभी दिये जायेंगे, जब नियमित छात्र किसी कोर्स/विषय की CA और EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।
6. स्वयंपाठी छात्रों के मामले में सतत मूल्यांकन नहीं होगा और किसी पाठ्यक्रम/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिये जाएंगे, तब स्वयंपाठी छात्र किसी पाठ्यक्रम/विषय की EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।

सतत मूल्यांकन के लिये परीक्षा योजना:

सतत मूल्यांकन (CA) अकों का वितरण

क्रमांक	श्रेणी	भार (कुल आंतरिक अंको में से)		THEORY				
	अधिकतम आंतरिक अंक			कोर (केवल सैद्धांतिक)	कोर (सैद्धांतिक + प्रायोगिक)	AEC	SEC	VAC
				30	20	20	10	10
1.	मध्यावधि परीक्षा	50%		15	10	10	5	5
2.	असाइनमेंट	25%		7.5	5	5	2.5	2.5
3.	उपस्थिति	25%		7.5	5	5	2.5	2.5
		नियमित कक्षा उपस्थिति	=75%	3	2	2	1	1
			75-80%	4	3	3	1.5	1.5
			80-85%	5	4	4	2	2
			>85%	7.5	5	5	2.5	2.5

नोट :-

- सतत मूल्यांकन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होगी।
- सतत मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र निर्माण, मूल्यांकन और निरीक्षण आदि के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा।
- सतत मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र निर्माण और मूल्यांकन की जिम्मेदारी शिक्षक की होगी।
- सतत मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई उत्तर पुस्तिका/प्रश्न पत्र आदि उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे।
- कॉलेजों को सतत मूल्यांकन, उपस्थिति आदि का रिकॉर्ड रखने की सलाह दी जाती है।

EoSE परीक्षा योजना

CA - सतत मूल्यांकन

EoSE – सेमेस्टर के अन्त में परीक्षा

नियमित छात्र

परीक्षा का प्रकार	पाठ्यक्रम कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक		न्यूनतम अंक	
सैद्धांतिक		CA	1 घंटा	CA	30	CA	12
		EoSE	3 घंटे	EoSE	120	EoSE	48

(जिन विषयों में प्रायोगिक परीक्षा नहीं है)

प्रश्न पत्र में तीन भाग अ, ब और स होंगे।

भाग – अ : 20 अंक

भाग अ में दो अंक के 10 अतिलघुतरात्मक प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगे।

भाग – ब : 20 अंक

प्रश्न पत्र के भाग ब में 4 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन किया जाएगा और विद्यार्थी कोई 2 प्रश्न (100 शब्दों की सीमा के साथ) ही हल करेगा, जिनमें प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

भाग – स : 80 अंक

प्रश्न पत्र के भाग स को प्रश्न संख्या 6–9 सहित चार इकाइयों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

[Type here]

[Type here]

स्वयंपाठी छात्र-

परीक्षा का प्रकार	पाठ्यक्रम कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
सैद्धांतिक	PAD-9101	3 घंटे	150	60

(जिन विषयों में प्रायोगिक परीक्षा नहीं है)

प्रश्न पत्र में तीन भाग अ, ब और स होंगे।

भाग — अ : 40 अंक

प्रश्न पत्र के भाग अ में दो अंक के 20 अतिलघुतरात्मक प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगे।

भाग — ब : 30 अंक

प्रश्न पत्र के भाग ब में 4 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन किया जाएगा और विद्यार्थी कोई 2 प्रश्न (100 शब्दों की सीमा के साथ) हल करेगा, जिसमें प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

भाग — स : 80 अंक

प्रश्न पत्र का भाग स प्रश्न संख्या 6—9 सहित चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

Syllabus
UG-9101-PAD-61T-201
III Semester[Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
III	PAD-61T-201	Administrative Theory			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	YES	Lecture
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA				
Prerequisites		XII Pass				
Objective of the Course		Theory is the foundation and strength of every Discipline. It gives the subject's concepts, definitions, and ideals. This paper explores several thinkers who contributed to the creation of public administration. The reader would grasp the theoretical foundations of classical, bureaucratic, and human interactions in the discipline.				

Three/Four Year Bachelor of Arts
Semester III
Public Administration

Paper Code	Title of the Paper	Level	Type	Credit
UG-9101-PAD-61T-201	Administrative Theory	6	Major	6

Administrative Theory

Unit I

Evolution of Administrative Thoughts and Various Stages. Administrative Ideas of Kautilya and Woodrow Wilson. Scientific Management : F.W. Taylor. Administrative Management Theory : Henri Fayol, Luther Gulick and Lyndall Urwick.

Unit II

Bureaucratic Concept of Max Weber ; Ideas of M.P. Follett; Human Relations Theory- Elton Mayo; Behavioural Theory: Chester Barnard and Herbert Simon.

Unit III

Motivation Theories : Abraham Maslow, Fredrick Herzberg and Douglas McGregor. Participative Management : Chris Argyris and Rensis Likert.

Unit IV

Administrative Techniques : Programme Evaluation and Review Technique ; CPM, Cybernetics, Organization and Methods, Management Information System and SWOT Analysis. Concept of Good Governance, Information and Communication Technology innovations and its Significance.

[Type here]

UG-9110-THREEE/ FOUR YEAR BACHELOR OF ARTS(Public Administration)
DISCIPLINE: PUBLIC ADMINISTRATION
COURSE CONTENT

Semester	Level	Type	Paper Nomenclature	Paper Code	Total Credit	Max. Marks 120+30	Total Learning/Lecture Hours 15x6
III	6	MJR (Theory)	Indian Constitution	UG-9110-PAD-63T-203	6	150	90
	6	MJR (Theory)	Social and Development Administration	UG-9110-PAD-64T-204	6	150	90
IV	6	MJR (Theory)	Administrative Theory	UG-9110-PAD-65T-205	6	150	90
	6	MJR (Theory)	State Administration	UG-9110-PAD-66T-206	6	150	90

Student Progress Evaluation

Semester	Type	Paper Code and Nomenclature	Duration of Examination	Maximum Marks (CA + EoSE)	Minimum Marks (CA+ EoSE)
III	Theory	UG-9110-PAD-63T-203 Indian Constitution	1 Hrs-CA 3Hrs-EoSE	30 Marks-CA 120 Marks- EoSE	12 Marks- CA 48 Marks-EoSE
	Theory	UG-9110-PAD-64T-204 Social and Development Administration	1 Hrs-CA 3Hrs-EoSE	30 Marks-CA 120 Marks- EoSE	12 Marks- CA 48 Marks-EoSE
IV	Theory	UG-9110-PAD-65T-205 Administrative Theory	1 Hrs-CA 3Hrs-EoSE	30 Marks-CA 120 Marks- EoSE	12 Marks-CA 48 Marks-EoSE
	Theory	UG-9110-PAD-66T-206 State Administration	1 Hrs-CA 3Hrs-EoSE	30 Marks-CA 120 Marks- EoSE	12 Marks- CA 48 Marks-EoSE

Note:-

1. MJR - Major
2. PAD - Public Administration
3. CA - Continuous Assesment
4. EoSE - End of Semester Examination

Detailed Syllabus
Three/Four Year Bachelor of Arts
UG-9110-PAD-63T-203

III Semester[Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
III	PAD-63T-203	Indian Constitution			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	NO	Lecture
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA				
Prerequisites		XII Pass				
Objective of the Course		The Constitution delineates the basic norms that govern the relationship between the ruler and the ruled. The course attempts to inculcate the provisions enshrined in the Indian Constitution with an overview of its background and philosophy. In addition, it explores the Centre-State relationships and the challenges faced by the Indian federalism to maintain unity and integrity.				

Syllabus
Semester III
UG-9110-PAD-63T-203
Paper-V
Indian Constitution

Unit I

Evolution, Philosophy, Features and Preamble of Indian constitution, Fundamental Rights , Fundamental Duties and Basic Structure of the Constitution.

Unit II

Directive Principles of State Policy, Constitution Amendment Procedure. Constitutional Provisions on Emergency. Nature of Indian Federalism and Parliamentary Form of Government. Unitary and Federal Features of Indian Constitution.

Unit III

Union-State Relationship: Legislative, Administrative and Financial. Special Provisions for some States. Vth and VIth Scheduled Areas. Inter-State Council and Water Disputes Tribunal: composition, functions and role.

Unit IV

Salient Features of Representation of People Act,1951 and Anti Defection Law,1985. Challenges to Indian Federalism- Regionalism, Secularism and Globalization. Nature of Indian Politics and Coalition Politics.

Suggested Readings :

- Austin Granville, *The Indian Constitution: Corner Stone of a Nation*, New Delhi: Oxford University Press, 1966.
- Austin Granville, *Working a Democratic Constitution*, New Delhi: Oxford University Press, 1999.
- Basu D.D, *Introduction to the Constitution of India*, New Delhi:Wadhwa and Company, 2000.
- Basu D.D, *Bharath Ka Samvidhan- Ek Parichay*, New Delhi: Lexis-Nexis, 2003.
- Pylee M.V, *An Introduction to the Constitution of India*, New Delhi: Vikas, 2009.
- *The Constitution of India*, Government of India, 2009.

Course Outcomes:

1. Explain the basic features and analyse the provisions enshrined in the Indian Constitution.
2. Enumerate the differences between Fundamental Rights and Directive Principles of State Policy.
3. Evaluate the dynamics of Union-State relationship in India.

Learning Outcome:The student will be able to:

1. Understand the evolution and basic features of Indian Constitution.
2. Think critically about the various provisions between Union-State relationship.
3. Evaluate the concepts of federalism, regionalism and nature of Indian politics.

पाठ्यक्रम

UG-9110-PAD-63T-203-भारतीय संविधान

III सेमेस्टर[लोक प्रशासन]

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक			एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
III	PAD-63T-203	भारतीय संविधान			6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल		
6	प्रमुख	6	0	6	नहीं	व्याख्यान
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमें गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA				
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण				
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		संविधान शासक और शासित के बीच संबंधों को नियंत्रित करने वाले बुनियादी मानदंडों का चित्रित करता है। यह पाठ्यक्रम भारतीय संविधान में निहित प्रावधानों को उसकी पृष्ठभूमि और दर्शन के आलोक में समझने का प्रयास करता है। इसके अलावा केन्द्र-राज्य संबंधों और भारतीय संघवाद के सामने एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए आने वाली चुनौतियों का पता चलेगा।				

विवरण के साथ पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – III

UG-9110-PAD-63T-203

भारतीय संविधान

इकाई – 1

भारतीय संविधान का विकास, दर्शन, विशेषताएँ एवं प्रस्तावना; मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य और संविधान की मूल संरचना।

इकाई – 2

राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत; संविधान संशोधन प्रक्रिया; आपातकाल पर संवैधानिक प्रावधान; भारतीय संघवाद की प्रकृति एवं संसदीय शासन प्रणाली; भारतीय संविधान की एकात्मक व संघात्मक विशेषताएँ।

इकाई— 3

केन्द्र—राज्य संबंध : विधायी, प्रशासनिक एवं वित्तीय; कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधान; पाँचवी व छठी अनुसूची क्षेत्र; अंतर - राज्यीय परिषद तथा जल विवाद न्यायाधिकरण : संगठन, कार्य तथा भूमिका।

इकाई— 4

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा दल—बदल विरोधी कानून, 1985; भारतीय संघवाद के समक्ष चुनौतियाँ — क्षेत्रवाद, धर्मनिरपेक्षता एवं भूमंडलीकरण; भारतीय राजनीति की प्रकृति तथा गठबंधन की राजनीति।

सन्दर्भित पुस्तकें:-

- सुभाष कश्यप: हमारा संविधान –एनबीटी, नई दिल्ली ।
- सुभाष कश्यप:भारत का संविधान – शासन और हम,एनबीटी, नई दिल्ली,
- सुभाष कश्यप:संवैधानिक विकास और संविधान, एनबीटी, नई दिल्ली ।
- डी.डी. बसू : भारत का संविधान:-वाधवा एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
- ब्रजकिशोर शर्मा: भारत का संविधान एवं परिचय, पीएचआई लर्निंग, प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

पाठ्यक्रम प्रतिफल:-

1. भारतीय संविधान की मूल विशेषताएँ तथा इसमें निहित प्रावधानों का विवेचन संभव हो पाएगा।
2. मूल अधिकारों तथा राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्तों के अंतर को स्पष्ट किया जा सकेगा।
3. भारत में संघ-राज्य सम्बन्धों की गति का मूल्यांकन हो पाएगा।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल:-इससे विद्यार्थी सक्षम होंगे-

1. भारतीय संविधान के आधारभूत लक्षण व विकास को समझने में।
2. संघ-राज्य संबंधों के लिए निहित विभिन्न प्रावधानों के बारे में आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में।
3. संघवाद, क्षेत्रवाद तथा भारतीय राजनीति की प्रकृति का मूल्यांकन करने में।

Detailed Syllabus
Three/Four Year Bachelor of Arts
UG-9110-PAD-64T-204

III Semester[Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
III	PAD-64T-204	Social and Development Administration			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	NO	Lecture
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA				
Prerequisites		XII Pass				
Objective of the Course		Every state envisages for wellbeing of its citizens. Social progress is considered to be a significant means to achieve nation's development. The paper explores the theory and application of Social and Development Administration in Indian perspective. It discusses about the organizations that guides the nation in achieving its objectives. The Learner after thorough reading will be able to understand the social administration, organizations associated and development perspectives.				

Semester III
UG-9110-PAD-64T-204
Paper VI
Social and Development Administration

Unit I

Social Administration: Meaning, Nature, Scope and Significance. Principles of Social Administration. Social Change and Social Justice. Social Policies in India.

Unit II

Organization and Functions: Ministry of Social Justice and Empowerment, Ministry of Women and Child Development, Central Social Welfare Board, National Commission for Women, National Commission for Backward Classes, National Commission for Scheduled Castes and National Commission for Scheduled Tribes.

Unit III

Development Administration: Meaning, Nature, features, Scope, and Goals. Traditional and Development Administration. Development Administration and Administrative Development. Factors influencing Development Administration : Political, Economic, Social and Administrative .

Unit IV

Approaches to Development Administration - Ecological, Basic Needs, Market Friendly, Inclusive and Sustainable Approaches. Concept of Sustainable Development and Sustainable Development Goals, Role of Civil Society and NGO's in Development Administration. Challenges before Development Administration.

Suggested Readings:

- Bhattacharya Mohit, *Development Administration*, New Delhi: Jawahar, 2001.
- Bhattacharya Mohit, *Social Theory and Development Administration*, New Delhi: Jawahar, 2006.
- Chandra Shraddha, *Social Welfare Administration in India*. Lulu Press, North Carolina, 2017.
- Dwivedi O P., *Development Administration*, London: Macmillan, 1994.
- Jain R.K. & Goel S.K., *Social Welfare Administration*, New Delhi:Deep & Deep Publications, 2002.
- Sapru RK, *Development Administration*, New Delhi: Sterling, 2012.
- Sachdeva D.R., *Social Welfare Administration in India*,New Delhi:Kitab Mahal, 2018.
- Sachdeva, D.R, *Bharath Mein Samaj Kalyan Prashashan*,New Delhi:Kitab Mahal, 2015.
- Kataria. Surendra, *Samajik Prashashan*, Jaipur: RBSA Publishers, 2002

Course Outcome:

1. Explain the basic concept, theme and principles of social administration.
2. Analyse the structure and functions of institutions engaged in welfare.
3. Identify the dynamics of development administration and appreciate different approaches.

Learning Outcome: The student will be able to:

1. Understand the foundations of social and development administration.
2. Think critically about the organisations involved and their contribution to the development.
3. Evaluate the interrelation between different aspects of social and development administration.

पाठ्यक्रम

UG-9110-PAD-64T-204-सामाजिक तथा विकास प्रशासन

III सेमेस्टर[लोक प्रशासन]

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक			एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
III	PAD-64T-204	सामाजिक तथा विकास प्रशासन			6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल		
6	प्रमुख	6	0	6	नहीं	व्याख्यान
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमें गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA				
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण				
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		प्रत्येक राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के लिए कार्य करता है। सामाजिक प्रगति को राष्ट्र विकास का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है। यह प्रश्न पत्र भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक और विकास प्रशासन के सिद्धान्त और अनुप्रयोग का अन्वेषण करता है। इसमें उन संगठनों की चर्चा की गई है जो देश को लक्ष्यों की प्राप्ति में मार्गदर्शन करते हैं। इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी सामाजिक प्रशासन, सम्बद्ध संगठनों और विकास संबंधित विषयों को समझने में सक्षम हो सकेंगे।				

विवरण के साथ पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – III

UG-9110-PAD-64T-204

सामाजिक तथा विकास प्रशासन

इकाई – 1

सामाजिक प्रशासन : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व; सामाजिक प्रशासन के सिद्धांत; सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक न्याय; भारत में सामाजिक नीति।

इकाई – 2

संगठन एवं कार्य : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एवं राष्ट्रीय जन जाति आयोग।

इकाई – 3

विकास प्रशासन :- अर्थ, प्रकृति, विशेषताएँ, क्षेत्र, एवं लक्ष्य ; परंपरागत प्रशासन तथा विकास प्रशासन ; विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकास; विकास प्रशासन को प्रभावित करने वाले कारक – राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक।

इकाई – 4

विकास प्रशासन के उपागम :-पारिस्थितिकीय, बुनियादी आवश्यकता, बाजार अनुकूल, समावेशी एवं सतत विकास उपागम ; सतत विकास की अवधारणा तथा सतत विकास लक्ष्य: नागरिक समाज तथा गैर सरकारी संगठनों की विकास प्रशासन में भूमिका; विकास प्रशासन के समक्ष चुनौतियाँ।

सन्दर्भित पुस्तकें:-

- सुरेन्द्र कटारिया : सामाजिक प्रशासन, आर.बी.एस.ए., जयपुर ।
- डी.आर. सचदेव : भारत में समाज कल्याण प्रशासन : किताब महल ,सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, उ.प्र.।
- सप्रू,आर.के.: विकास प्रशासन ।

पाठ्यक्रम प्रतिफल:

1. सामाजिक प्रशासन की मूल अवधारणाओं तथा सिद्धान्तों का वर्णन संभव होगा।
2. समाज कल्याण संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाओं की संरचना तथा कार्यों का विश्लेषण हो पाएगा।
3. विकास प्रशासन की गतिकी तथा विभिन्न उपागमों की पहचान एवं अध्ययन संभव हो पाएगा।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल:-विद्यार्थी सक्षम होंगे:-

1. सामाजिक तथा विकास प्रशासन के आधारों को समझने में।
2. विकास में योगदान देने वाले संगठनों तथा उनके कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में।
3. सामाजिक तथा विकास प्रशासन के विभिन्न पक्षों के मध्य अंतर सम्बन्धों का परीक्षण करने में।

Detailed Syllabus
Three/Four Year Bachelor of Arts
UG-9110-PAD-65T-205
IV Semester [Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
IV	PAD-65T-205	Administrative Theory			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	NO	Lecture
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA				
Prerequisites		XII Pass				
Objective of the Course		Theory is the foundation and strength of every Discipline. It gives the subject's concept, definition, and ideals. This paper explores several thinkers who contributed to the creation of public administration. The reader would grasp the theoretical foundations of classical, bureaucratic, and human interactions in the discipline.				

Semester IV
UG-9110-PAD-65T-205
Paper-VII
Administrative Theory

Unit I

Evolution of Administrative Thought and Various Stages. Administrative Ideas of Kautilya and Woodrow Wilson. Scientific Management : F.W. Taylor. Administrative Management Theory: Henri Fayol, Luther Gulick and Lyndall Urwick.

Unit II

Bureaucratic Concept of Max Weber. Ideas of M.P. Follett. Human Relations Theory- Elton Mayo. Behavioural Theory: Chester Barnard and Herbert Simon.

Unit III

Motivation Theories: Abraham Maslow, Fredrick Herzberg and McGregor. Participative Management: Chris Argyris and Rensis Likert.

Unit IV

Administrative Techniques: Programme Evaluation and Review Technique, CPM, Cybernetics, O&M, Management Information System and SWOT Analysis. Concept of Good Governance, Information and Communication Technology initiatives and its Significance

Suggested Readings:

- Prasad Ravindra D. (et al), *Administrative Thinkers*, New Delhi: Sterling Publications, 2017.
- Henry Nicholas, *Public Administration and Public Affairs*, New Delhi: Prentice Hall, 2006.
- Fedrickson George H. (et al), *The Public Administration Theory and Primer*, New York: West view press, 2003.
- Simon Herbert A., *Administrative Behavior: A Study of Decision-Making Processes in Administrative Organization*, New York: Mcmillan, 1947.
- Raadschelders, Jos C.N., *Government: A Public Administration*, Routledge, 2003.
- Mahajan Anupama Puri, *Administrative Thinkers* :Pearson Publication
- Pinto Marina Rita, *Administrative and Management Thinkers* : New Age International Publishers

Course Learning Outcomes:

1. Critically analyse on several thinkers who contributed for the development of public administration as a discipline.
2. Exposure to various chronological phases of theory building in public administration.
3. Examine the administrative techniques being utilised in an organisation.

Learning Outcome: The student will be able to:

1. Learn various approaches of administrative theories.
2. Demonstrate critical thinking on the scholars and their contribution in administration.
3. Evaluate the interrelation between theory and practice of administrative dynamics.

पाठ्यक्रम

UG-9110-PAD-65T-205- प्रशासनिक सिद्धांत

IV सेमेस्टर[लोक प्रशासन]

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक			एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
IV	PAD-65T-205	प्रशासनिक सिद्धांत			6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल		
6	प्रमुख	6	0	6	नहीं	व्याख्यान
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमें गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA				
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण				
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		सिद्धान्त किसी भी विषय की नींव और ताकत होते हैं जो विषय को अवधारणा, अर्थ और आदर्श प्रदान करते हैं। यह प्रश्न-पत्र उन कई विचारकों के विचारों का समंकन करता है, जिन्होंने लोक प्रशासन को एक विषय के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पाठक इस प्रश्न पत्र में शास्त्रीय, नौकरशाही और मानवीय अन्तः क्रिया के सैद्धान्तिक आधारों को समझ सकेंगे।				

विवरण के साथ पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – IV

UG-9110-PAD-65T-205

प्रशासनिक सिद्धांत

इकाई – 1

प्रशासनिक विचारों का विकास व विभिन्न चरण ; कौटिल्य एवं वुडरो विल्सन के प्रशासनिक विचार; वैज्ञानिक प्रबंध : एफ.डब्ल्यू.टेलर ; प्रशासनिक प्रबंध सिद्धांत – हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक व लिन्डाल उर्विक।

इकाई – 2

मैक्स वेबर की नौकरशाही अवधारणा; एम.पी.फोलेट के विचार ; मानव संबंध सिद्धांत – एल्टन मेयो; व्यवहारवादी सिद्धांत : चेस्टर बर्नार्ड एवं हर्बर्ट साइमन।

इकाई – 3

अभिप्रेरणा सिद्धांत – अब्राहम मैस्लो, फ्रेडरिक हर्जबर्ग व डगलस मैकग्रेगर; भागीदारी प्रबंध:-क्रिस आर्गिरिस, रैसिस लिंकर्ट।

इकाई – 4

प्रशासनिक तकनीकें :-कार्यक्रम मूल्यांकन समीक्षा तकनीक (पर्ट), सी.पी.एम, साइबरनेटिक्स, संगठन एवं विधि (ओ एंड एम), प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) एवं स्कोट (SWOT) विश्लेषण; सुशासन की अवधारणा ; सूचना एवं प्रौद्योगिकी नवाचार एवं इसका महत्व।

सन्दर्भित पुस्तकें :-

1. नरेन्द्र थोरी : प्रशासनिक चिंतक, आर.बी.एस.ए, जयपुर।
2. अशोक कुमार : प्रशासनिक चिंतक, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
3. प्रसाद, प्रसाद सत्यनारायण : प्रशासनिक चिंतक : जवाहर पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
4. जी.एस. सुधा : प्रबंध चिंतक का इतिहास, आर.बी.एस.ए, जयपुर

पाठ्यक्रम प्रतिफल:-

- 1 लोक प्रशासन का एक विषय के रूप में विकास में योगदान देने वाले विचारकों के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन संभव होगा।
- 2 विद्यार्थी लोक प्रशासन में सिद्धान्त निर्माण के विभिन्न चरणों के बारे में अवगत हो सकेंगे।
- 3 संगठन में काम आने वाली प्रशासनिक तकनीकों का परीक्षण संभव हो सकेगा।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल:-विद्यार्थी सक्षम होंगे:-

- 1 प्रशासनिक सिद्धान्तों के विभिन्न उपागमों को सीखने में।
- 2 विद्वानों और प्रशासन में उनके योगदान पर आलोचनात्मक सोच प्रदर्शित करने में।
- 3 प्रशासनिक गतिशीलता के सिद्धान्त और व्यवहार के बीच अन्तर्संबंध का मूल्यांकन करने में।

Detailed Syllabus
Three/Four Year Bachelor of Arts
UG-9110-PAD-66T-206
IV Semester[Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
IV	PAD-66T-206	State Administration			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	NO	Lecture
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA				
Prerequisites		XII Pass				
Objective of the Course		The constitution has enshrined significant provisions on state and its features as it performs several functions analogous to the Federal Government. This course disseminates the background of Rajasthan state integration, features of administration and institutions associated. The paper will impart overall view of knowledge about the Rajasthan state to the Readers and Learners				

Semester IV
UG-9110-PAD-66T-206
Paper-VIII
State Administration

Unit I

Evolution of States in India Since Independence. Historical Background of Integration of Rajasthan State. Legislative Assembly and Legislative Council- Organization and Functions. State Executive: Governor, Chief Minister and Council of Ministers- Powers, Functions and Role.

Unit II

Organization and Functions of State Secretariat. Role of Chief Secretary in State Administration. Directorate - Role and Functions. Secretariat-Directorate Relationship. Department of Home, Finance and Commissionerate of College Education in Rajasthan- Organisation and Functions.

Unit III

Role and Functions of Divisional Commissioner, District Collector, SDM and Tehsildar in State Administration. Organization and Functions of Revenue Board in Rajasthan. Role of Superintendent of Police in Law and Order. Police Commissionerate System in Rajasthan.

Unit IV

Rajasthan Public Service Commission- composition and Functions. Organisation and Working of HCM RIPA and Rajasthan Police Academy. Grievance Redressal Mechanism in Rajasthan- Lokayukt, State Information Commission, Rajasthan Guaranteed Delivery of Public Service Act,2011 and The Rajasthan Right to Hearing Act,2012.

[Type here]

Suggested Readings:

- Maheshwari S., *State Governments in India*, New Delhi: Macmillan, 2000.
- Sharma Harish Chander, *State Administration in India*, Jaipur: College Book Depot, 2002.
- Arora Ramesh K. & Chaturvedi Geeta, *Bharath Mein Rajya Prashashan*, Jaipur: RBSA, 2001.
- Kataria, Surendra, *Rajya Prashasan*, Jaipur: Malik & Company, 2017.

Course Outcomes:

1. Discuss the evolution and background of states in India.
2. Examine the functions performed by the state led institutions and their responsibilities.
3. Appreciate the role of District Collector and other officials involved in district administration.

Learning Outcome: The student will be able to:

1. Deep insight and able to understand the historical background and evolution of states in India.
2. Explain the activities carried out by various institutions functioning in the state.
3. Develop critical thinking and familiarity on district officials and their responsibilities.

पाठ्यक्रम

UG-9110-PAD-66T-206-राज्य प्रशासन

IV सेमेस्टर[लोक प्रशासन]

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक			एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
IV	PAD-66T-206	राज्य प्रशासन			6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल		
6	प्रमुख	6	0	6	नहीं	व्याख्यान
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमें गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA				
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण				

विवरण के साथ पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – IV

UG-9110-PAD-66T-206

राज्य प्रशासन

इकाई – 1

स्वतंत्रता पश्चात् भारत में राज्यों का विकास; राजस्थान राज्य के एकीकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; विधान सभा और विधान परिषद : संगठन एवं कार्य ; राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रीपरिषद – शक्तियाँ, कार्य एवं भूमिका।

इकाई – 2

राज्य सचिवालय का संगठन एवं कार्य; राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव की भूमिका; निदेशालय – कार्य एवं भूमिका; सचिवालय-निदेशालय संबंध; राजस्थान में गृह विभाग, वित्त विभाग तथा आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा :- संगठन एवं कार्य।

इकाई – 3

राज्य प्रशासन में संभागीय आयुक्त, जिलाधीश, उप-खण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार की भूमिका एवं कार्य; राजस्थान में राजस्व मण्डल का संगठन एवं कार्य; कानून –व्यवस्था के संदर्भ में पुलिस अधीक्षक की भूमिका ; राजस्थान में पुलिस आयुक्त प्रणाली।

इकाई – 4

राजस्थान लोक सेवा आयोग –संगठन एवं कार्य; हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान तथा राजस्थान पुलिस अकादमी का संगठन एवं कार्य प्रणाली ; राजस्थान में शिकायत निवारण तंत्र – लोकायुक्त एवं राज्य सूचना आयोग; राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2011 एवं राजस्थान सुनवायी का अधिकार अधिनियम, 2012।

सन्दर्भित पुस्तकें :-

- रमेश अरोडा व गीता चतुर्वेदी : भारत में राज्य प्रशासन, आर.बी.एस.ए,जयपुर।
- सुरेन्द्र कटारिया : राज्य प्रशासन : मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर ।

पाठ्यक्रम प्रतिफल:-

1. भारत में राज्यों के विकास और पृष्ठभूमि का विवेचन संभव होगा।
- 2.राज्य संस्थाओं तथा उनके उत्तरदायित्वों का परीक्षण संभव हो पाएगा।
3. जिला कलेक्टर तथा जिला प्रशासन में शामिल अन्य अधिकारियों की भूमिका का मूल्यांकन कर पाना संभव होगा।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल: विद्यार्थी सक्षम होंगे:-

- 1.भारत में राज्यों के विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में गहन समझ विकसित करने में।
- 2.राज्य में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं द्वारा संपादित कार्यों का वर्णन करने में।
3. जिला अधिकारियों एवम् उनकी जिम्मेदारियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं समझ विकसित करने में।